UP Board Solutions for Class 7 Hindi Chapter 2 राजधर्म (मंजरी)

प्रश्न-अभ्यास

कुछ करने को

प्रश्न 3:
इस पाठ के आधार पर आप भी दो सवाल बनाइए।
उत्तर:
प्र०1. ब्रह्मदत्त अपने विषय में क्या जानना चाहता था?
प्र०2. क्या ऐसा सच में हो सकता है कि राजा के अन्यायी होने पर राज्य में उगने वाले फल भी कडवे हो जाएँगे।

प्रश्न 4:
लिखिए-इस कहानी को पढ़ने के बाद आप क्या करेंगे ? क्या नहीं करेंगे ?
उत्तर:
क्या करेंगे: अधर्म, अन्याय और पार का रास्ता छोड़ दूंगा।
क्या नहीं करेंगे: कभी किसी को परेशान नहीं करूंगा, किसी को तकलीफ नहीं पहुँचा

विचार और कल्पना

प्रश्न 1:
इस पाठ में एक अच्छे राजा के आवश्यक गुण बताये गये हैं। आपके विचार में किसी राजा/श्रेष्ठ व्यक्ति/नेता में कौन-कौन से गुण होने चाहिए? उन्हें लिखिए।
उत्तर:
विद्यार्थी शिक्षक की सहायता से स्वयं करें।

प्रश्न 2:
जब राजा ने अन्याय और अधर्म के साथ राज्य किया होगा, तब उसकी प्रजा को क्या-क्या कष्ट भोगने पड़े होंगे ?
उत्तर:
चारों तरफ अशान्ति और अराजकता का साम्राज्य बन गया होगा। लूट-पाट, चोरी, राहजनी एवं हत्याएँ बढ़ गई होंगी जिससे प्रजा परेशान हो गई होगी।

प्रश्न 3:
बोधिसत्व जंगल के पके गोदे खाते थे जो शक्कर के समान मीठे थे। आप अपने द्वारा खाए हुए उन फलों के नाम लिखिए जो एक बीज वाले हों, अनेक बीज वाले हों।
उत्तर:
(क) एक बीज वाले फल – आम, लीची, आड़, जामुन
(ख) अनेक बीज वाले फल – सेब, तरबूज, खरबूजा, संतरा
(ग) बिना बीज वाले फल – केला, अंगूर
(घ) कड़े छिलके वाले फल – अखरोट, नारियल, बेल

कहानी से

प्रश्न 1:
ब्रह्मदत्त नामक राजा क्यों प्रसिद्ध था?
उत्तर:
राजा ब्रह्मदत्त अपनी धर्मप्रियता और न्यायपरायण शासन के लिए प्रसिद्ध था।

प्रश्न 2:
राजा ब्रह्मदत्त वेश बदलकर क्यों घूमता था?
उत्तर:
राजा ब्रह्मदत्त वेश बदलकर यह जानने के लिए घूमते थे कि उसका दोष बताने वाला भी है या नहीं।

प्रश्न 3:
बोधिसत्व ने राजा को गोदों के मीठे और स्वादिष्ट होने का क्या कारण बताया?
उत्तर:
बोधिसत्व ने गोदों के मीठे और स्वादिष्ट होने का कारण राजा का धार्मिक और न्यायपरायण होना बताया।

प्रश्न 4:
राजा ने अधर्म और अन्याय से राज्य करना क्यों शुरु किया?
उत्तर:
राजा ने तपस्वी बोधिसत्व के कथन की परीक्षा लेने के लिए अधर्म और अन्याय से राज्य करना शुरू किया।

प्रश्न 5:
'राजा के धर्म विमुख होने पर सारा राज्य दुख को प्राप्त होता है' कथन का आशय बताइए।
उत्तर:
राजा के धर्म विमुख होने से सारा राज्य दुख को प्राप्त होता है। इसका अर्थ है यथा राजा । तथा प्रजा। बुरे नेताओं से देश में अराजकता और दुख उत्पन्न होता है।

भाषा की बातप्रश्न

प्रश्न 1:
नीचे लिखे हुए ..... वाक्य बने हैं।
नीचे लिखे मिश्रित वाक्यों से मुख्य और अधीन वाक्य अलग-अलग लिखिए (वाक्य लिखकर)

(क) वह ऐसे व्यक्ति को ढूँढता था। – मुख्य वाक्य
जो उसके दोषों को बता सके। – अधीन वाक्य

(ख) अधर्म और अन्याय से राज करूगा और देगा। – मुख्य वाक्य
कि बोधिसत्त्व की बात में कितनी सच्चाई है? – अधीन वाक्य

प्रश्न 2:
तुलना की दृष्टि से .....का अर्थ 'सबसे श्रेष्ठ' है। इसी प्रकार नीचे दिये गये शब्दों के तीनों रूप लिखिए (रूप लिखकर)
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

शब्द	मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
गुरु	गुरु	गुरुतर	गुरुतम
अधिक	अधिक	अधिकतर	अधिकतम
उच्च	उच्च	उच्चतर	उच्चतम
न्यून	न्यून	न्यूनतर	न्यूनतम
सरल	सरल	सरलतर	सरलतम

प्रश्न 3:
नीचे कुछ शब्द और उनके विलोम शब्द दिये गये हैं। उन्हें ध्यानपूर्वक पढ़कर शब्द और उनके विलोम शब्दों के जोड़े बनाकर लिखिए (जोड़े बनाकर)
उत्तर:

शब्द	–	विलोम	शब्द	–	विलोम
अधार्मिक	–	**धार्मिक**	सुगम	–	**दुर्गम**
रहित	–	**सहित**	गुण	–	**अवगुण**
सरस	–	**नीरस**	स्थूल	–	**सूक्ष्म**
विषाद	–	**हर्ष**			

प्रश्न 4:
शब्द अन्त्याक्षरी को आगे बढ़ाइए- प्रबन्ध-धनवान-नदी .....
उत्तर:
प्रबन्ध – धनवान – नदी – दीवाली – लीची – चीनी – नीला – लाल – लड़की – कील

यह भी करें:
एक बार की बात है। भारत के एक प्रसिद्ध संत जापान की यात्रा पर गए थे। एक दिन वे ट्रेन से जापान के भीतर उन भागों में घूम रहे थे। उस दिन वे फलाहार पर थे। फल खरीदने के लिए वे एक स्टेशन पर उतरे। लेकिन उन्हें कहीं कोई फलवाला नहीं दिखाई दिया। फलवाले को ढूंढते-ढूंढते जब वे थक गए तो अपने-आप में बड़बड़ाए कि कैसा देश है यह? यहाँ फल भी नहीं मिलता। उनकी बात वहाँ बैठा एक युवक सुन रहा था। वह झट से उठा और दौड़कर कहीं गया। 15-20 मिनट बाद वह अपने हाथ में फलों की टोकरी लेकर लौटा और संत को आदरपूर्वक दे दिया। संत ने कृतज्ञता व्यक्त की और फलों की कीमत देने की बात की। युवक ने विनम्रतापूर्वक फलों की कीमत लेने से इनकार दिया और बड़ी ही मधुर वाणी में उसने संत से कहा- महामना! यदि आप मुझे कुछ देना ही चाहते हैं तो कृपया यह वचन दीजिए कि आप अपने देश में जाकर ये नहीं कहेंगे कि जापान में फल नहीं मिलता। इससे मेरे देश की बदनामी होगी। वे महान भारतीय संत उस युवक का अपने देश के प्रति प्रेम देखकर आश्चर्यचकित और आत्मविभोर हो गए।